Raj Express (Indore), 09th January 2021, Page-2

आईआईटी इंदौर की प्लेसमेंट प्रक्रिया हुई पूरी

नहीं पड़ा कोरोना इफेक्ट, पहले चरण की प्रक्रिया जारी 170 में से 114 का हुआ प्लेसमेंट

221 स्टूडेंट्स हुए थे रजिस्टर्ड, 98 फीसदी कंपनी कर रही ऑनलाइन प्लेसमेंट

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर के 114 स्टूडेंट्स को पहले चरण में प्लेसमेंट मिला। 221 रजिस्टर्ड स्टूडेंट्स में से करीब 170 स्टूडेंट्स प्लेसमेंट प्रक्रिया में शामिल हुए जिनमें से 114 का प्लेसमेंट हुआ। इस तरह आईआईटी इंदौर महामारी के बावजूद पासिंग आउट बैच के लिए अच्छा प्लेसमेंट लाने में सक्षम रहा। जबकि दुनिया वायरस की कठिन मार से उबरने की कोशिश कर रही है। हालांकि पहला चरण इस महीने जारी रहेगा। विभिन्न ब्रांच कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, सिविल, मेटालार्जी एंड मटेरियल साइंस, दुनिया के प्रमुख ब्रांडों को प्रभावित करने मे सक्षम रहे। एक्सेंचर जापान ने स्टूडेंट्स को विदेशी प्लेसमेंट की पेशकश की। गेल को जल्द ही संस्थान का दौरा करने की उम्मीद है।

उम्मीद है कि अधिक स्टूडेंट्स को दूसरे चरण के प्लेसमेंट प्रक्रिया में रखा जाएगा। जानकारी के अनुसार वर्ष 2020 में आईआईटी इंदौर का अधिकतम पैकेज 47 लाख रुपए जबकि 2019 में 48 लाख रुपए गया था। संस्थान के अधिकारियों को उम्मीद है कि इस वर्ष भी सालाना पैकेज में कोई खास अंतर देखने को नहीं मिलेगा।

98 फीसदी कंपनियां कर रही ऑनलाइन प्लेसमेंट प्रक्रिया: आईआईटी इंदौर में प्लेसमेंट की प्रक्रिया जारी है। इसमें लगभग 98 फीसदी कंपनियां ऑनलाइन प्लेसमेंट प्रक्रिया कर रही है। इसमें भी 90 फीसदी आईटी और कम्युनिकेशन संबंधी है। यानि कोरोना महामारी ने काम करने के तरीके में ही नहीं बल्कि नई भर्ती में भी बड़ा बदलाव किया है। कुछ कंपनियों का मानना है कि कोरोना संकट खत्म हो जाने के बाद भी ऑनलाइन हायरिंग जारी रहेगी। दरअसल ऑनलाइन हायरिंग से उन्हें बेहतर पेशेवर को ढूंढने में मदद मिली है। इतना ही नहीं वह आसानी से अ%छे टैलेंट को हायर कर पाए हैं। इस दृष्टिकोण से लचीलापन व सुविधा मिलती है जो आज के समय नौकरी चाहने वालों के लिए प्राथमिकता है। भर्ती प्रक्रिया में ऑनलाइन प्रक्रिया को शामिल करने से पक्षपात कम हो गए हैं। प्लेसमेंट अधिकारियों के अनुसार कोरोना के कारण इस साल मध्यम या बड़ी कंपनियां हो, वैश्विक कंपनियां हो, एसएमई हो या स्टार्टअप हो, पांच में से चार से अधिक नियोक्ताओं ने ऑनलाइन तरीके से नियुक्ति प्रक्रिया का इस्तेमाल शुरु किया। कुछ कंपनियों ने ऑनलाइन तरीके को बेहतर एवं प्रभावी अनुभव बताया और कुछ का मानना है कि हालिया चुनौतियों का समाधान करते हुए एक बेहतर रास्ता है। कोरोना महामारी ने जरुर कंपनियों को भर्ती के लिए रणनीति बदलने पर मजबूर किया, लेकिन अब कंपनियों का कहना हैं कि ऑनलाइन प्रक्रिया काफी आसान और सरल है।